सत्यमेव जयते

स्कूल शिक्षा विभाग–राजस्थान सरकार

(प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा)

स्टेट इनिशिएटिव फॉर क्वालिटी एज्यूकेशन

बाल केन्द्रित शिक्षण

सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन

अध्यापक योजना डायरी

कक्षा : 1 व 2 : गणित

सत्र :.....

विद्यालय का नाम : .....

शिक्षक / शिक्षिका का नाम : .....

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

पढ़े चलो, बढ़े चलो

RASHTRIYA MADHYAMIK SHIKSHA ABHIYAN

अध्यापक योजना डायरी के बारे में

- दैनिक शिक्षण योजना, अवलोकन एवं सतत आकलन हेतु शिक्षक स्वयं की एक साधारण डायरी संधारित करें।
- कक्षा से सम्बन्धित पाठ्यक्रम, टर्मवार अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठों के अधिगम उद्देश्य/कार्य की प्राथमिक स्तर के लिए विषयवार अलग से पुस्तिका दी गई है। विषय से सम्बन्धित योजना बनाते समय इस पुस्तिका का उपयोग किया जाएगा।
- प्रत्येक शिक्षक को विद्यालय समय–सारणी में निर्धारित विषय के अनुसार योजना डायरी संधारित करनी होगी। इस योजना डायरी में विद्यार्थियों के नाम, कक्षा के बच्चों के समूहों का विवरण, योजना समीक्षा एवं रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट सम्मिलित हैं। इनका क्रमवार विस्तारित विवरण आगामी बिन्दुओं में दिया गया है।
- सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों के नाम एवं रोल नं. डायरी में सम्बन्धित कक्षा की शुरुआत वाले पृष्ठ पर लिखे जाएंगे। विद्यार्थी उपस्थिति रजिस्टर में लिखे गए क्रमानुसार इस पत्रक पर नाम लिखना है।
- अधिगम स्तर के अनुसार समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य – हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को आधार रेखा आकलन या अन्तिम योगात्मक आकलन से प्राप्त सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक स्थिति एवं उसके अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करके, दिए गए प्रपत्र में दर्ज करना है। आधार रेखा आकलन कक्षा–2 से किया जाना है। यहाँ कक्षा को दो समूहों में देखा जा रहा है जिसका विवरण नीचे उल्लेखित है।
- शिक्षण–आकलन योजना – इस प्रारूप में क्रमशः पाठ/इकाई, अवधारणा/थीम, कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य, शिक्षण कार्य (सामूहिक कार्य, उपसमूहों में कार्य एवं व्यक्तिगत कार्य) एवं सतत आकलन गतिविधियों से संबंधित बिन्दुओं को शामिल किया गया है। इनके तहत पाठ्यक्रम के अनुरूप योजना का निर्माण किया जाना अपेक्षित है। यहाँ ''सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य'' से तात्पर्य पाठ या अवधारणा से संबंधित सभी विद्यार्थियों के लिए अधिगम उद्देश्यों को व्यापक रूप में लिखने से है।
- ''समूह–1 क्षमता संर्वधन'' हेतु योजना से तात्पर्य है कि कक्षा के समकक्ष अध्ययनरत विद्यार्थियों की क्षमता संवर्धन के लिए योजना का निर्धारण करना।
- ''समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य'' से तात्पर्य नामांकित कक्षा से नीचे की कक्षाओं के स्तर पर लेखन, पठन एवं गणित से संबंधित बुनियादी दक्षताओं पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए योजना के तहत विशेष अधिगम उद्देश्य निर्धारित किए जाने से है।
- सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति– इसके अंतर्गत बच्चों के सीखने की स्थिति को, कक्षा–कक्षीय शिक्षण के दौरान संग्रहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं को समेकित करते हुए समय–समय पर आकलन सूचकों के सापेक्ष प्रत्येक टर्म में दो बार दर्ज करना है।
- प्रथम टर्म के अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष निर्धारित आकलन सूचकों में से बुनियादी अवधारणाओं के सापेक्ष आकलन के सूचकों को आगे की टर्म की चैकलिस्ट में भी सम्मिलित किया गया है ताकि पूर्व की टर्म में बच्चे बुनियादी अवधारणाओं के अधिगम उद्देश्यों पर अपेक्षित स्तर प्राप्त नहीं कर पाते हैं तो उनका आकलन आगे की टर्म में भी किया जा सकेगा। तीन टर्म में काम करने के बाद चतुर्थ टर्म में बच्चों का सम्पूर्ण अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष वार्षिक समेकित आकलन दर्ज करना है।
- सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति के लिए दी गई चैकलिस्ट में प्रत्येक कक्षा के अधिकतम 30 बच्चों का आकलन दर्ज किया जा सकता है। चैकलिस्ट की सबसे ऊपर की पंक्ति में बच्चों का क्रमांक लिखा गया है जो कि डायरी में लिखे गए बच्चों के नाम के क्रम में होगा।
- बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट में बच्चों का नाम– अध्यापक योजना डायरी में लिखे गए नामों के क्रमांक के अनुसार लिखा जाएगा। (उदाहरण के तौर पर यदि क्रमांक 8, 10 व 15 के बच्चे निर्धारित कक्षा से पीछे हैं तो उन्हीं बच्चों का वही क्रमांक दर्ज किया जाएगा।)
- बुनियादी दक्षताओं से संबंधित चैकलिस्ट को चतुर्थ टर्म की चैकलिस्ट के बाद सम्मिलित किया गया है। जिसमें बुनियादी दक्षताओं पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति को प्रत्येक टर्म में दर्ज करना है। इन बच्चों के कक्षा स्तर के अन्य अधिगम क्षेत्रों/कौशलों पर आधारित क्षमताओं के अन्तर्गत आए सूचकों जिन पर सम्पूर्ण कक्षा की योजना में कार्य किया गया है, के सापेक्ष अधिगम स्थिति को ही टर्म की चैकलिस्ट में दर्ज किया जाना है।
- सतत रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट में आकलन A, B एवं C ग्रेड द्वारा दर्ज किया जाएगा जिसका विवरण निम्नानुसार है– A= स्वतंत्र रूप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना; B= शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना तथा C= शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना है।

कक्षा : 1

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1			11			21		
2			12			22		
3			13			23		
4			14			24		
5			15			25		
6			16			26		
7			17			27		
8			18			28		
9			19			29		
10			20			30		

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 1

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
आकृति एवं स्थान की समझ																															
स्थानिकता से संबंधित शब्दावली के व्यवहार में उपयोग की समझ बना पाना। जैसे–चित्र में अन्दर–बाहर, पास–दूर, छोटा–बड़ा, पहले–बाद में आदि।	I																														
	II																														
किसी चीज़ के दिए गए चित्र से बड़ा और छोटा चित्र बना पाना।	I																														
	II																														
छोटी परिवेशीय चीज़ों की आकृति को समानता के आधार पर वर्गीकृत कर पाना एवं उनके अन्य उदाहरण बता पाना।	I																														
	II																														
द्विविमीय आकृतियों को समानता के आधार पर मिलान कर पाना। जैसे– त्रिभुज, आयत, वर्ग, वृत्त आदि।	I																														
	II																														
संख्या ज्ञान की समझ																															
1 से 10 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																														
	II																														
1 से 10 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																														
	II																														
1 से 10 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना।	I																														
	II																														
मापन की समझ																															
बच्चों के दैनिक अनुभव से जुड़ी घटनाओं के संदर्भ में लगे समय के आधार पर पहले व बाद की घटना को पहचान पाना एवं तीन या तीन से अधिक घटनाओं को क्रम में रख पाना।	I																														
	II																														
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																															
रंग, आकार व आकृति के आधार पर बने पैटर्न को खोज पाना व दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ा पाना।	I																														
	II																														
रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना।	I																														
	II																														
सरल परिवेशीय आँकड़ों का संकलन कर पाना एवं उन पर चर्चा कर पाना। (जैसे– किसको खाने में क्या पसंद है)	I																														
	II																														
कलात्मक/क्रियात्मक कार्यों में पैटर्न का उपयोग कर पाना अथवा नए डिज़ाइन बनाने का प्रयास कर पाना। (जैसे– मांडने, रंगोली, कागज़ की फर्रियों से सजावट कर पाना आदि)	I																														
	II																														

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

कक्षा–1 : द्वितीय टर्म

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 1

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
संख्या ज्ञान की समझ																															
1 से 10 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																													
	II																													
1 से 10 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																													
	II																													
1 से 10 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना।	I																													
	II																													
संक्रियाओं की समझ																															
जोड़ की अवधारणा एवं इकाई में इकाई के जोड़ को लिखित में कर पाना।	I																													
	II																													
घटाव की अवधारणा एवं इकाई से इकाई के घटाव को लिखित में कर पाना।	I																													
	II																													
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																															
रंग, आकार व आकृति के आधार पर बने पैटर्न को खोजना एवं उन्हें आगे बढ़ा पाना।	I																													
	II																													
रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना।	I																													
	II																													
सरल परिवेशीय आँकड़ों का संकलन कर पाना एवं उन पर चर्चा कर पाना। (जैसे– किसको खाने में क्या पसंद है)	I																													
	II																													
कलात्मक/क्रियात्मक कार्यों में पैटर्न का उपयोग कर पाना अथवा नए डिज़ाइन बनाने का प्रयास कर पाना। (जैसे– मांडने, रंगोली, कागज़ की फर्रियों से सजावट कर पाना आदि)	I																													
	II																													
	I																													
	II																													
	I																													
	II																													
	I																													
	II																													

द्वितीय टर्म तक सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																														
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																														
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बताना बल्कि उदाहरणों से समझाना)																														
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना एवं त्रुटि सुधार कर पाना।																														
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																														
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																														
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																														
गणित के प्रति रुझान																														
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																														
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																														
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																														

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

कक्षा–1 : तृतीय टर्म

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 1

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
संख्या ज्ञान की समझ																															
1 से 20 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																														
	II																														
1 से 20 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																														
	II																														
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बताना।	I																														
	II																														
1 से 10 तक संख्या में चीज़ों को देखकर बिना गिने संख्या का अनुमान लगा पाना।	I																														
	II																														
संक्रियाओं की समझ																															
इकाई में इकाई एवं दहाई में इकाई का बिना हाँसिल का जोड़ मौखिक व लिखित कर पाना।	I																														
	II																														
इकाई से इकाई एवं दहाई से इकाई का बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित में हल कर पाना।	I																														
	II																														
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																															
रंग, आकार व आकृति के आधार पर बने पैटर्न खोजना व आगे बढ़ाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

कक्षा–1 : चतुर्थ टर्म

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

चतुर्थ टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 1

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
संख्या ज्ञान की समझ																															
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																														
	II																														
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																														
	II																														
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना।	I																														
	II																														
1 से 10 तक संख्या में चीज़ों को देखकर उनकी संख्या का अनुमान लगा पाना।	I																														
	II																														
संक्रियाओं की समझ																															
इकाई में इकाई एवं दहाई में इकाई का बिना हाँसिल का जोड़ मौखिक व लिखित कर पाना।	I																														
	II																														
इकाई से इकाई एवं दहाई से इकाई का बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित में हल कर पाना।	I																														
	II																														
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़ की पहचान कर हल कर पाना।	I																														
	II																														
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर घटाव़ की पहचान कर हल कर पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
मापन की समझ																															
बच्चों के दैनिक अनुभवों से जुड़ी घटनाओं के संदर्भ में लगे समय के आधार पर पहले व बाद की घटना को पहचान पाना एवं तीन या तीन से अधिक घटनाओं को क्रम में रख पाना।	I																														
	II																														
बच्चों की खाने की चीज़ व खिलौनों की कीमत का अनुमान लगा पाना।	I																														
	II																														
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																															
रंग, आकार व आकृति के आधार पर बने पैटर्न को खोज पाना एवं दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ा पाना।	I																														
	II																														
रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना।	I																														
	II																														
सरल परिवेशीय आँकड़ों का संकलन कर पाना एवं उन पर चर्चा कर पाना। (जैसे– किसको खाने में क्या पसंद है)	I																														
	II																														
कलात्मक/क्रियात्मक कार्यों में पैटर्न का उपयोग कर पाना अथवा नए डिज़ाइन बनाने का प्रयास कर पाना। (जैसे– मांडने, रंगोली, कागज़ की फर्रियों से सजावट कर पाना आदि)	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

चतुर्थ टर्म तक सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																														
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																														
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बताना बल्कि उदाहरणों से समझाना)																														
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना एवं त्रुटि सुधार कर पाना।																														
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																														
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																														
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																														
गणित के प्रति रुझान																														
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																														
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																														
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																														

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

कक्षा : 2

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1			11			21		
2			12			22		
3			13			23		
4			14			24		
5			15			25		
6			16			26		
7			17			27		
8			18			28		
9			19			29		
10			20			30		

कक्षा–2 : प्रथम टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 2

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
आकृति एवं स्थान की समझ																															
वस्तु की आकृति देखकर भौतिक गुणों यथा खिसकने अथवा लुढ़कने का गुण बता पाना व उदाहरण देना।	I																														
	II																														
अवलोकन अथवा ट्रेसिंग से त्रिआयामी आकृति के द्विआयामी पृष्ठों को पहचान पाना।	I																														
	II																														
द्विआयामी आकृतियों को अपनी परिवेशीय वस्तुओं एवं चित्रों में पहचान पाना।	I																														
	II																														
यथार्थ अथवा दृश्य चित्र में वस्तु की स्थिति को अन्य चीज़ों के सापेक्ष समझा पाना।	I																														
	II																														
सीधी और घुमावदार रेखाओं की सहायता से सरल चित्रों की रचना कर पाना।	I																														
	II																														
संख्या ज्ञान की समझ																															
1 से 20 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																														
	II																														
संख्या नाम सुनकर एवं समूह में गिनकर 1 से 20 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना करना।	I																														
	II																														
परिवेशीय घटनाओं में शून्य की स्थितियों को पहचान पाना।	I																														
	II																														
संक्रियाओं की समझ																															
दहाई में दहाई का बिना हासिल का जोड़कर पाना।	I																														
	II																														
दहाई में दहाई का बिना उधार का घटाना कर पाना।	I																														
	II																														
दहाई में दहाई के बिना हासिल के जोड़ पर आधारित इबारत पढ़कर/सुनकर प्रश्न हल करना।	I																														
	II																														
दहाई में दहाई के बिना उधार के घटाने पर आधारित इबारत पढ़कर/सुनकर प्रश्न हल कर पाना।	I																														
	II																														
किसी संख्या को अलग–अलग तरीके से संख्याओं के योजन–खण्डों के रूप में निरूपित कर पाना।	I																														
	II																														

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

कक्षा–2 : द्वितीय टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 2

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
संख्या ज्ञान की समझ																															
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																														
	II																														
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 50 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय घटनाओं में शून्य की स्थितियों को पहचान पाना।	I																														
	II																														
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																														
	II																														
चीज़ों की संख्या का अनुमान 20 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																														
	II																														
संक्रियाओं की समझ																															
दहाई में दहाई का बिना हासिल का जोड़कर पाना।	I																														
	II																														
दहाई में दहाई का बिना उधार का घटाना कर पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
दहाई में दहाई के बिना हासिल के जोड़ पर आधारित इबारत पढ़कर/सुनकर प्रश्न हल करना।	I																														
	II																														
दहाई में दहाई के बिना उधार के घटाने पर आधारित इबारत पढ़कर/सुनकर प्रश्न हल कर पाना।	I																														
	II																														
किसी संख्या को अलग–अलग तरीके से संख्याओं के योजन–खण्डों के रूप में निरूपित कर पाना।	I																														
	II																														
मापन की समझ																															
परिवेशीय चीज़ों को देखकर मापन सम्बंधी तुलनात्मक अनुमान लगाना एवं जाँच करना।	I																														
	II																														
मापन की अमानक इकाइयों की प्रारम्भिक और व्यवहारिक समझ बना पाना।	I																														
	II																														
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																															
दैनिक जीवन की सरलतम घटनाओं के आंकड़ों का संकलन कक्षा–1 के बढ़ते स्तर पर कर पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

द्वितीय टर्म तक सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																														
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																														
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बताना बल्कि उदाहरणों से समझाना)																														
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना एवं त्रुटि सुधार कर पाना।																														
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																														
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																														
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																														
गणित के प्रति रुझान																														
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																														
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																														
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																														

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

कक्षा–2 : तृतीय टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 2

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
आकृति एवं स्थान की समझ																															
वस्तु की आकृति देखकर भौतिक गुणों यथा खिसकने अथवा लुढ़कने का गुण बता पाना व उदाहरण देना।	I																														
	II																														
अवलोकन अथवा ट्रेसिंग से त्रिआयामी आकृति के द्विआयामी पृष्ठों को पहचान पाना।	I																														
	II																														
द्विआयामी आकृतियों को अपनी परिवेशीय वस्तुओं एवं चित्रों में पहचान पाना।	I																														
	II																														
यथार्थ अथवा दृश्य चित्र में वस्तु की स्थिति को अन्य चीज़ों के सापेक्ष समझा पाना।	I																														
	II																														
सीधी और घुमावदार रेखाओं की सहायता से सरल चित्रों की रचना कर पाना।	I																														
	II																														
संख्या ज्ञान की समझ																															
1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																														
	II																														
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना करना।	I																														
	II																														
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																														
	II																														
चीज़ों की संख्या का अनुमान 20 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																														
	II																														
संक्रियाओं की समझ																															
दहाई में दहाई का बिना हासिल का जोड़कर पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
दहाई में दहाई का बिना उधार का घटाना कर पाना।	I																														
	II																														
दहाई में दहाई के बिना हासिल के जोड़ पर आधारित इबारत पढ़कर/सुनकर प्रश्न हल करना।	I																														
	II																														
दहाई में दहाई के बिना उधार के घटाने पर आधारित इबारत पढ़कर/सुनकर प्रश्न हल कर पाना।	I																														
	II																														
किसी संख्या को अलग–अलग तरीके से संख्याओं के योजन–खण्डों के रूप में निरूपित कर पाना।	I																														
	II																														
मापन की समझ																															
सप्ताह के दिनों के नाम क्रम से बता पाना तथा ठीक–पहले व ठीक–बाद के दिन का नाम बताना।	I																														
	II																														
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																															
दैनिक जीवन की सरलतम घटनाओं के आंकड़ों का संकलन कक्षा–1 के बढ़ते स्तर पर कर पाना।	I																														
	II																														
ठोस चीज़ों की सहायता से सरल संख्यात्मक पैटर्न खोज पाना, उसे बढ़ाना तथा नये पैटर्न बनाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

कक्षा–2 : चतुर्थ टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

चतुर्थ टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 2

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
आकृति एवं स्थान की समझ																															
अवलोकन अथवा ट्रेसिंग से त्रिआयामी आकृति के द्विआयामी पृष्ठों को पहचान पाना।	I																														
	II																														
यथार्थ अथवा दृश्य चित्र में वस्तु की स्थिति को अन्य चीज़ों के सापेक्ष समझा पाना।	I																														
	II																														
संख्या ज्ञान की समझ																															
1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																														
	II																														
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																														
	II																														
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																														
	II																														
चीज़ों की संख्या का अनुमान 50 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																														
	II																														
ठोस चीज़ों (यथा मोती माला) से संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ बना पाना।	I																														
	II																														
संक्रियाओं की समझ																															
दहाई में दहाई का बिना हासिल का जोड़कर पाना।	I																														
	II																														
दहाई में दहाई का बिना उधार का घटाना कर पाना।	I																														
	II																														
दहाई में दहाई के बिना हासिल के जोड़ पर आधारित इबारत पढ़कर/सुनकर प्रश्न हल करना।	I																														
	II																														
दहाई में दहाई के बिना उधार के घटाने पर आधारित इबारत पढ़कर/सुनकर प्रश्न हल कर पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
किसी संख्या को अलग–अलग तरीके से संख्याओं के योजन–खण्डों के रूप में निरूपित कर पाना।	I																														
	II																														
संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
जोड़–घटाव के सरलतम परिवेशीय अनुप्रयोग कर पाना। (दैनिक जीवन के हिसाब–किताब पर आधारित)	I																														
	II																														
ठोस चीज़ों व चित्रों से गुणा की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ बना पाना।	I																														
	II																														
मापन की समझ																															
परिवेशीय चीज़ों को देखकर मापन सम्बंधी तुलनात्मक अनुमान लगा पाना।	I																														
	II																														
मापन की अमानक इकाइयों की प्रारम्भिक और व्यवहारिक समझ बना पाना।	I																														
	II																														
सप्ताह के दिनों के नाम क्रम से बता पाना तथा ठीक–पहले व ठीक–बाद के दिन का नाम बता पाना।	I																														
	II																														
एक, पाँच, दस व बीस रुपये की मुद्रा से कुल 100 रुपये तक की राशि में हिसाब–किताब कर पाना।	I																														
	II																														
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																															
दैनिक जीवन की सरलतम घटनाओं के आंकड़ों का संकलन कक्षा–1 के बढ़ते स्तर पर कर पाना।	I																														
	II																														
ठोस चीज़ों की सहायता से सरल संख्यात्मक पैटर्न खोज पाना, उसे आगे बढ़ा पाना तथा नये पैटर्न बना पाना।	I																														
	II																														
संख्या रेखा पर सरल पैटर्न को खोज पाना एवं आगे बढ़ा पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा–1	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	क्र.																														
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।		I																														
		II																														
		III																														
		IV																														
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।		I																														
		II																														
		III																														
		IV																														
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना।		I																														
		II																														
		III																														
		IV																														
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हाँसिल का जोड़ मौखिक व लिखित हल कर पाना।		I																														
		II																														
		III																														
		IV																														
दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित हल कर पाना।		I																														
		II																														
		III																														
		IV																														
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़ की पहचान कर प्रश्न को हल कर पाना।		I																														
		II																														
		III																														
		IV																														
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर घटाव की पहचान कर प्रश्न को हल कर पाना।		I																														
		II																														
		III																														
		IV																														

चतुर्थ टर्म तक सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																														
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																														
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बताना बल्कि उदाहरणों से समझाना)																														
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना एवं त्रुटि सुधार कर पाना।																														
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																														
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																														
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																														
गणित के प्रति रुझान																														
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																														
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																														
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																														

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

'स्टेट इनिशिएटिव फॉर क्वालिटी एज्यूकेशन' (S.I.Q.E.) के विकास एवं क्रियान्वयन में सहभागी संस्थाएँ

राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

बोध शिक्षा समिति

यूनिसेफ, जयपुर

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद्